

SHRI UDDHAB KUMAR BHARALI

Shri Uddhab Kumar Bharali is known across the state of Assam and also by various national and global agencies for around 142 innovations like Encapsulated Direct Paddy Sowing system, Mini Tea Plant for small tea growers, the self feeding and cleaning machine for persons without hands, Reusable Napkins for poor ladies, Pomegranate De-seeder, Portable Paddy Transplanter, Low cost incinerator, Portable paddy thresher, Detention Chair for mentally challenged persons, Cocoon opener, Ginger and areca nut peeling machine etc.

2. Born on April 7, 1962, Shri Bharali, driven by the innovation zeal from his college days. He obtained DSc. from Assam Agriculture University and Ph.D from Assam Kaziranga University. He also served as Director, Centre for Technology Innovation and incubation in the two prestigious Universities of Assam i.e. Dibrugarh and Tezpur Universities. He established a machine design and research centre, UKB Agrotech which speaks of his professionalism and dedication to serve the society with the invention of person/profession and eco-societal limitations through cost and operation effective state of the art innovative machinery design. He also established a philanthropic research center for design of different gadget for differently able persons named as UKB comfort.

3. Shri Bharali also runs a philanthropic trust—UKB TRUST- to support economically under-privileged families for livelihood support out of the revenue he earns through his innovative machineries. He also runs an Old age home. So far 17 documentary on his life by different national and international agencies namely, BBC, DISCOVERY, HISTRY (OMG) NFD, ETC. were made on his life and work for the mankind. Worth mentioning, a book on his life "Innovation and humanity" by Assam Science Writers Association. Hailing from a relatively remote area of Assam, Sri Bharali could successfully filed three patents (registered already through National Innovation Foundations), besides earning twice the distinction of being one of the top ten innovators in the list of International Tech Brief Create the future Design Contest for his innovations of the pomegranate de-seeder and the detention chair for mentally challenged persons.

4. Due to his people and society friendly innovations as well as his scientific perseverance and aptitude, Shri Bharali has been honoured by many front runner institutions in the form of engaging him as guest faculty, technical consultant/technology developer. Institutions seek for his presence as a “Motivational Speaker”. Many of the Govt. and private sector Institute has sought his assistance for development of appropriate technology for the common people. He has dedicated his life to serve the common people with technology innovation. Worth mentioning more than 1000 people got employment through his innovation technology. Many of the Differently abled persons have become comfortable in their life with his innovation technology. Serving the Differently abled people has always been his top priority job. This noble activity was extensively covered in BBC, OMG, and NFD and Doordarshan documentaries.

5. Shri Bharali is the recipient of various prestigious awards namely the President's National Grassroot Innovation Award, 2009, Techbrief “create the future design” award 2013 and 2014, Shristi Samman - Master Innovator Award by NIF, India, Meritorious Invention Award by NRDC, Rastriya Swayamshidh Shri Sanman, 'Prayukty - Ratna' Title by Assam Sahitya Sabha, Role model award By Praguty-19 jointly by student council IISc and Think India, Excellence Award by Mahatma Gandhi University, Chief Minster's Best Awardee, NICT perfect - 10 award by ABP media group, ERDF excellence award, Achievers -15 award and many more.

पद्म श्री

श्री उद्धव कुमार भराली



श्री उद्धव कुमार भराली असम राज्य में और विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा लगभग 142 नवाचारों के लिए जाने जाते हैं, जैसे कि एनकैप्सुलेटेड डायरेक्ट धान बुवाई प्रणाली, छोटे चाय उत्पादकों के लिए मिनी टी प्लांट, हस्त विहीन दिव्यांगों के लिए भोजन खिलाने और सफाई की मशीन, गरीब महिलाओं के लिए पुन: उपयोग किए जाने वाले नैपकिन, अनार का डी-सीडर, पोर्टेबल धान ट्रांसप्लांटर, कम मूल्य वाला इंसिंरेटर, पोर्टेबल धान थ्रेसर, मानसिक रूप से दिव्यांग व्यक्तियों के लिए डिटेंशन चेयर, कोकून ओपनर, अदरक और एरेका छीलने की मशीन आदि।

2. आपका जन्म 7 अप्रैल, 1962 में हुआ था। आप अपने कॉलेज के समय से ही नवाचार उत्पाद बनाने में रुचि लेते रहे हैं। आपने असम कृषि विश्वविद्यालय से डीएससी और असम काजीरंगा विश्वविद्यालय से पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की। आपने असम के दो प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों यानी डिब्रूगढ़ और तेजपुर विश्वविद्यालयों में सेंटर फॉर टेक्नोलॉजी इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन के निदेशक के रूप में भी कार्य किया। आपने मशीन डिजाइन और अनुसंधान केंद्र-यूकेबी एग्रोटेक की स्थापना की जो आपकी व्यावसायिकता और इस समर्पण भाव का उदाहरण है कि कम लागत वाली और आसानी से चलायी जाने वाली आधुनिक नवाचारी मशीनें डिजाइन करके व्यवसाय और आर्थिक तथा सामाजिक सीमाओं में रहते हुए समाज की सेवा करना चाहते हैं। आपने दिव्यांग जनों के लिए विभिन्न उपकरण डिजाइन करने हेतु यूकेबी कम्फर्ट के नाम से परोपकारी अनुसंधान केंद्र भी स्थापना भी की है।

3. आप अपनी नवाचारी मशीनों से अर्जित आय से आर्थिक रूप से गरीब परिवारों की सहायता हेतु परोपकारी ट्रस्ट-यूकेबी ट्रस्ट भी चलाते हैं। आप वृद्धाश्रम भी चला रहे हैं। मानव मात्र के कल्याण के लिए आपके जीवन और कार्य को लेकर बीबीसी, डिस्कवरी, हिस्ट्री (ओएमजी) एनएफडी आदि जैसी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा आपके जीवन पर अब तक 17 वृत्तचित्र बनाए जा चुके हैं। असम साइंस राइटर्स एसोसिएशन द्वारा आपके जीवन पर "इनोवेशन एंड ह्यूमैनिटी" नामक महत्वपूर्ण पुस्तक प्रकाशित की गई है। आप असम के दूर-दराज के क्षेत्र के हैं, लेकिन आपने तीन पैटेंट सफलतापूर्वक फाइल किए (जो नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन के माध्यम से पहले ही पंजीकृत है)। इसके अतिरिक्त, इंटरनेशल टेक ब्रीफ क्रिएट द फ्यूचर डिजाइन कांटेस्ट द्वारा जारी की गई सूची में प्रोमेग्रेनेट डी-सीडर और मानसिक रूप से दिव्यांग जनों के लिए डिटेंशन चेयर के लिए आपको शीर्ष दस नवप्रवर्तकों में दो बार शामिल होने का गौरव प्राप्त है।

4. अपने लोगों और समाज के अनुकूल नवाचारों के साथ-साथ अपनी वैज्ञानिक दृढ़ता और योग्यता के कारण, आपको कई अग्रणी संस्थानों द्वारा अपने यहां अतिथि संकाय, तकनीकी सलाहकार/प्रौद्योगिकी डेवलपर बनाकर सम्मानित किया गया है। संस्थान चाहते हैं कि आप प्रेरणास्पद व्याख्यान देने हेतु वक्ता के रूप में उनके यहां आए। सरकारी और गैर-सरकारी क्षेत्र के कई संस्थानों ने आम लोगों के लिए उचित प्रौद्योगिकी के विकास के लिए आपसे सहायता देने का अनुरोध किया है। आपने प्रौद्योगिकी नवाचार के साथ आम लोगों की सेवा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया है। यह विशेष उल्लेख की बात है कि 1000 से भी अधिक लोगों को आपकी नवाचार प्रौद्योगिकी के फलस्वरूप रोजगार मिला है। आपकी नवाचारी प्रोजेक्ट के कारण कई दिव्यांगजनों का जीवन सुविधाजनक हो गया है। आपके इस महान कार्य का बीबीसी, ओएमजी और एनएफडी तथा दूरदर्शन के वृत्तचित्रों में व्यापक रूप से उल्लेख हुआ है।

5. आपको अनेक प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हुए हैं नामत: राष्ट्रपति से राष्ट्रीय ग्रासरूट इनोवेशन अवार्ड, 2009, टेकब्रीफ "क्रिएट द फ्यूचर डिजाइन" पुरस्कार 2013 और 2014, सृष्टि सम्मान-मास्टर इनोवेटर अवार्ड, एनआईएफ, भारत, एनआरडीसी द्वारा विलक्षण आविष्कार पुरस्कार, राष्ट्रीय स्वयं सिद्धि श्री सम्मान, 'प्रयुक्त-रत्न' उपाधि, असम साहित्य सभा, स्टूडेंट काउंसिल आईआईएससी और थिंक इंडिया द्वारा संयुक्त रूप से प्रयुक्ति 19 द्वारा रोल मॉडल पुरस्कार, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय द्वारा उत्कृष्टता पुरस्कार, एनआईसीटी परफेक्ट्-10 पुरस्कार, एबीपी मीडिया समूह ईआरडीएफ एक्सीलेंस पुरस्कार, अचीवर्स-15 पुरस्कार और ऐसे ही कई और पुरस्कार।